

विचार बिन्दु

हर चीज की कीमत व्यक्ति की जेब और जरूरत के अनुसार होती है और शायद उसी के अनुसार वह अच्छी या बुरी होती है। -संतोष गोयल

प्राणी जीवन की रक्षा हेतु प्रकृति की रक्षा आवश्यक

प्रकृति का संरक्षण हमारे सुनहरे भविष्य का आधार है। मनुष्य जन्म से ही प्रकृति और पर्यावरण के सम्पर्क में आ जाता है। प्राणी जीवन की रक्षा हेतु प्रकृति की रक्षा अति आवश्यक है। वर्तमान समय में विभिन्न प्रजाति के जीव जंतु, वनस्पतियां और पेड़-पौधे विलुप्त हो रहे हैं जो प्रकृति के संतुलन के लिए बहुत ही भयावह है। मनुष्य अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए समय समय पर प्रकृति का दोहन करता चला आ रहा है। अगर प्रकृति के साथ खिलवाड़ होता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब हमें शुद्ध पानी, हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध पर्यावरण वातावरण एवं शुद्ध वनस्पतियां नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा। प्रकृति हमारे जीवन का आधार है। विभिन्न प्राकृतिक संसाधन जैसे कि जल, वन्यजीवन, वन, खेती, वायु आदि हमारी जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हमारी सांस जल से भरी हुई है और हमारी खाद्य आपूर्ति भी खेती द्वारा उत्पन्न होती है। इसलिए, हमें प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखने की जरूरत है ताकि हम समृद्ध और सुख-शांति के साथ जीवन जी सकें।

प्रकृति के संरक्षण का अर्थ है कि वनों, भूमि, जल निकायों का संरक्षण और खनिजों, ईंधन, प्राकृतिक गैसों आदि जैसे संसाधनों का संरक्षण, यह सुनिश्चित करने के लिए कि ये सभी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध रहें। ऐसे कई तरीके हैं जिनसे आम आदमी प्रकृति के संरक्षण में मदद कर सकता है। इनमें से कुछ ऐसे हैं जो आसानी से किए जा सकते हैं और एक बहुत बड़ा बदलाव ला सकते हैं। प्रकृति हमें पानी, भूमि, सूर्य का प्रकाश और पेड़-पौधे प्रदान करके हमारी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करती है। इन संसाधनों का उपयोग विभिन्न चीजों के निर्माण के लिए किया जा सकता है जो निश्चित ही मनुष्य के जीवन को अधिक सुविधाजनक और आरामदायक बनाते हैं। प्रकृति के संरक्षण से अभिप्राय जंगलों, भूमि, जल निकायों की सुरक्षा से है तथा प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण खनिजों, ईंधन, प्राकृतिक गैसों जैसे संसाधनों की सुरक्षा से है जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि ये सब प्रचुर मात्रा में मनुष्य के उपयोग के लिए उपलब्ध रहें। ऐसे कई तरीके हैं जिससे आम आदमी प्रकृति के संरक्षण में मदद कर सकता है। यहां कुछ ऐसे ही तरीकों का विस्तृत वर्णन किया गया है जिससे मानव जीवन को बड़ा लाभ हो सकता है। पृथ्वी के पास हर इंसान की जरूरत पूरी करने के लिए काफी कुछ है, लेकिन उसके लालच को पूरा करने के लिए नहीं है। पृथ्वी पर पानी, हवा, मिट्टी, खनिज, पेड़, जानवर, पौधे आदि हर किस्म की जरूरत के लिए संसाधन हैं। लेकिन औद्योगिक विकास की होड़ में हम पृथ्वी को सफाई और उसके ही स्वास्थ्य को नजरअंदाज करने लगे हैं। हम कुछ भी करने से पहले यह बिलकुल नहीं सोचते कि हमारी उस गतिविधि से प्रकृति को कितना नुकसान होगा। प्रकृति का संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से संबंधित है। इनमें मुख्यतः पानी, धूप, वातावरण, खनिज, भूमि, वनस्पति और जानवर शामिल हैं। प्रकृति हमें पानी, भूमि, सूर्य का प्रकाश और पेड़-पौधे प्रदान करके हमारी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करती है। इन संसाधनों का उपयोग विभिन्न चीजों के निर्माण के लिए किया जा सकता है जो निश्चित ही मनुष्य के जीवन को

अधिक सुविधाजनक और आरामदायक बनाते हैं। प्रकृति से हमारा तात्पर्य जल, जंगल और जमीन से है। हम लगातार प्रकृति का दोहन करते जा रहे हैं जिससे मानव जीवन संकट में पड़ गया है। जल, जंगल और जमीन के बिना प्रकृति अधूरी है। जल को व्यर्थ में बहा रहे हैं जंगलों को काट रहे हैं और जमीन पर जहरीले कीटनाशक का उपयोग करके उसकी उर्वरक क्षमता और उपजाऊ शक्ति को कमजोर कर रहे हैं।

अधिक सुविधाजनक और आरामदायक बनाते हैं। प्रकृति से हमारा तात्पर्य जल, जंगल और जमीन से है। हम लगातार प्रकृति का दोहन करते जा रहे हैं जिससे मानव जीवन संकट में पड़ गया है। जल, जंगल और जमीन के बिना प्रकृति अधूरी है। जल को व्यर्थ में बहा रहे हैं जंगलों को काट रहे हैं और जमीन पर जहरीले कीटनाशक का उपयोग करके उसकी उर्वरक क्षमता और उपजाऊ शक्ति को कमजोर कर रहे हैं। हम एक असें से प्रकृति दिवस मना रहे हैं और लोगों को प्रकृति संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद प्रकृति पर मंडराता खतरा जस का तस बना हुआ है। सबसे बड़ा खतरा तो इसे ग्लोबल वार्मिंग से है। धरती के तापमान में लगातार बढ़ते स्तर को ग्लोबल वार्मिंग कहते हैं। वर्तमान में ये पूरे विश्व के समक्ष बड़ी समस्या के रूप में उभर रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि धरती के वातावरण के गर्म होने का मुख्य कारण का ठीनहाउस गैसों के स्तर में वृद्धि है। इसे लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है जिससे प्रकृति पर खतरा बढ़ता जा रहा है। ये आपदाएँ पृथ्वी पर ऐसे ही होती रहती तो वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी से जीव-जंतु व वनस्पति का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा। कहते हैं प्रकृति संरक्षित होगी तो मानव जीवन भी सुरक्षित होगा। प्रकृति हमारी धरोहर है, इसकी रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। प्रकृति ने हमें जीव जंतुओं सहित सूर्य, चाँद, हवा, जल, धरती, नदियाँ, पहाड़, हरे-भरे वन और खनिज सम्पदा धरोहर के रूप में दी है। मनुष्य अपने निहित स्वार्थ के कारण प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग कर रहा है। बड़ती आबादी की समस्या के लिए आवास समस्या को हल करने के लिए हरे-भरे जंगलों को काट कर ऊँची-ऊँची इमारतें बनाई जा रही हैं। वृक्षों के कटने से वातावरण का संतुलन बिगाड़ गया है और ग्लोबल वार्मिंग की समस्या पूरे विश्व के सामने भयंकर रूप से खड़ी है। खनिज-सम्पदा का अंधाधुंध प्रयोग किया जा रहा है। जीव-जंतुओं का संहार किया जा रहा है, जिसके कारण अनेक दुर्लभ प्रजातियाँ लुप्त होती जा रही हैं।

हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम पृथ्वी और उसके वातावरण को बचाने का प्रयास करेंगे। हम पर्यावरण के प्रति न सिर्फ जागरूक हो बल्कि उसके लिए कुछ करें भी। प्रकृति को संकट से बचाने के लिए स्वयं अपनी ओर से हमें शुरूआत करनी चाहिए। पानी को नष्ट होने से बचना चाहिए। वृक्षारोपण को बढ़ावा देना चाहिए। अपने परिवेश को साफ-स्वच्छ रखना चाहिए। प्रकृति के सभी तत्वों को संरक्षण देने का संकल्प लेना चाहिए।

-अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

सागर और मनुष्य के रिश्ते को जागृत करने का समय आ गया है



डॉ. रामावतार शर्मा

डॉक्टर किलापती रामकुण्डा उम्मीद और नाउम्मीदी के बीच झुलते रहते हैं क्योंकि वे एक भावुक पर्यावरण विद्वान हैं और समुद्रों से बहुत प्यार करते हैं। अमेरिका की वुड्स होल ओसेनोग्राफिक इंस्टीट्यूट में पर्यावरण और समुद्री मामलों के वरिष्ठ सलाहकार डॉक्टर रामकुण्डा के अनुसार दुनिया के कई देशों ने हाल ही में नीली अर्थव्यवस्था को लेकर कुछ योजनाएँ घोषित की हैं जिनसे समुद्र के इकोसिस्टम को बचाते हुए सागर के संसाधनों का मानव हित में उपयोग होगा।

इस तरह की योजनाओं के तहत समुद्री जहाज निर्माताओं को कम कार्बन विसर्जित करने वाले जहाज

बनाने के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया जाएगा, सागर के तटीय पेड़ और झाड़ियाँ जिन्हें मैनटोव कहा जाता है उनको सुरक्षित और विकसित किया जाएगा। साथ में सागर में समाहित होने वाली नदियों के डेल्टा को भी बचा कर रखा जायेगा। सागर में प्लास्टिक और अन्य प्रदूषण को सख्ती से नियंत्रित करने के प्रयासों को आगे बढ़ाना होगा। इस योजना के सहित नौवें और अमेरिका ने ठीन शिपिंग चैलेंज नाम से एक प्रोत्साहन योजना भी प्रारंभ की है। सिंगापुर भी इस दिशा में प्रयासरत हो रहा है। इन सब प्रयासों में डॉक्टर रामकुण्डा उम्मीद की किरण देख पाते हैं।

पर वे इस बात से निराश हैं कि इन सारी योजनाओं में समुद्र के अस्वीकरण पर कोई बड़ी बातचीत नहीं हो रही है। हमें ध्यान में रखना चाहिए कि पृथ्वी की सतह का 70 प्रतिशत हिस्सा समुद्र है। मनुष्य द्वारा पैदा की गई कार्बन डाइऑक्साइड के 30 प्रतिशत हिस्से को समुद्र एक विशाल स्पंज की तरह सोख लेता है जिसके कारण धरती के जीव सांस ले सकते हैं। उदाहरण के तौर पर 1992-

2018 के बीच हमारे सागरों ने 6700 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड को अपने अंदर सोख कर हमारे वायुमंडल को शुद्ध किया है। परंतु तीव्र मानवीय विकास के कारण

मैनग्रोव, समुद्री घास, रीफ और निकटस्थ जंगल आदि का सफाया होने से सागर के पानी का पीएच कम होता जा रहा है जिसके फलस्वरूप हमारे समुद्र अम्लीय (एसिडिक) होते जा रहे हैं।

ऐसा होने से यहां पर ऑक्सीजन कम होती जा रही है। हमें भूलना नहीं चाहिए कि हमारे वातावरण की 25 प्रतिशत ऑक्सीजन भी समुद्रों से आती है। बढ़ते वैश्विक तापमान से समुद्री घास और कई जीव भी विलुप्त की तरफ जा रहे हैं। यदि ऐसा होता है तो दुनिया के लाखों लोगों के लिए आजीविका का एकमात्र स्रोत नष्ट हो जायेगा।

मनुष्य की गतिविधियाँ प्रथम औद्योगिक क्रांति के समय के तापमान की तुलना में धरती के तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा बढ़ाने के कगार पर हैं। ऐसा होने से इतनी अधिक कार्बन डाइऑक्साइड पैदा

होगी जिसको समुद्र का पानी तेजी से अपने में समाहित नहीं कर पाएगा। सागर अम्लीय हो जायेंगे और वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ जाने से धरती का जीवन खतरे में आ जायेगा।

ऐसी स्थिति को बचाने के लिए प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉक्टर एमिली पिड्जिन चेताने देती रहती हैं। उनके अनुसार ; यदि समुद्र का इकोसिस्टम दूषित या फिर नष्ट हो गया तो नीला कार्बन भंडार (समुद्र के पानी द्वारा बांधी गैस) कार्बन डाइऑक्साइड के रूप में वातावरण में फैल जायेगा जिसके कारण धरती के पर्यावरण में बड़े परिवर्तन आयेगा।

नवंबर 2022 में सिंगापुर स्थित एजेंसी क्लाइमेट इंपैक्ट (सीआईएक्स) ने अपनी पहली कार्बन क्रेडिट नीलामी लगाई। इसमें पाकिस्तान के सिंध प्रांत में स्थित 350,000 हेक्टेयर मैनटोव को पुनर्स्थापित करना है। इस योजना को प्रान्वेट सेक्टर के लिए भी खोला गया है। सीआईएक्स प्रमुख मिक्की लार्सन का कहना है कि ;सागर तट के प्राकृतिक स्वरूप को बचाना सिर्फ

वातावरण परिवर्तन तक ही सीमित नहीं है बल्कि यहां पर रहने वाले लोगों की आजीविका और प्रकृति की जैविक विविधता की रक्षा भी बहुत महत्वपूर्ण है। मैनग्रोव वन के विनाश के कारण समुद्र का पानी कभी भी निकट के कस्बों को निगल सकता है। स्थानीय लोगों के सहयोग और उनकी आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति के बिना कोई भी योजना सफल नहीं हो सकती।

लोगों के स्वास्थ्य, रोजगार और उनके बच्चों की शिक्षा के लिए विश्वस्तरीय प्रयास होने चाहिए वरना मनुष्य नामक जीव अपनी स्वार्थपूर्ति के लिए पर्यावरण को कितना ही नुकसान पहुंचा सकता है। विश्व के राजनीतिक नेतृत्व से पर्यावरणविदों को ज्यादा उम्मीद नहीं है। अधिकतर बड़े देशों के नेता अपना सारा समय चुनावों में लगाते नजर आ रहे हैं और छोटे देशों में अक्सर तख्तापलट चलता रहता है। ऐसे में ब्यापक जनचेतना ही उम्मीदी की किरण बन सकती है।

-डॉ. रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

शुभम ने विश्व में भारत का गौरव बढ़ाया

जयपुर। हाल ही में द रिपब्लिक ऑफ बुलारिया की उप राष्ट्रपति, इलियाना योवोवा, द्वारा सोफिया बाल्कन पैलेस के रॉयल हॉल में शुभम मानव मिश्र को "वाइस प्रेसीडेन्टल हुमेनिटैरियन अवॉयर्मेंट अवॉर्ड" देने के लिए आमंत्रित किया गया। शुभम को ये अवार्ड उनके अभिनय, फिल्म निर्माण एवं दृश्य कलात्मकता के माध्यम से मानवता के प्रति विशिष्ट सेवा एवं मानवीय कार्यों में असाधारण योगदान के लिए प्रमाण पत्र में बुलारिया देश के कोट ए आर्मा एवं आधिकारिक मुहर के साथ दिया गया है। शौरतलब है कि उनकी सभी फिल्मों एवं आर्ट वर्क्स को अद्भुत बताकर सराहा गया है एवं यूरोपीय देशों में प्रदर्शित किया गया है। इसके साथ ही अमेरिका के न्यू यॉर्क

शहर में आयोजित स्टूडेंट वर्ल्ड इम्पैक्ट फिल्म फेस्टिवल में शुभम की फिल्म " ए मिटिंग विथ चार्लडहुड" को 120 देशों से आर्यी 13,868 फिल्मों में सर्वश्रेष्ठ मानते हुए सर्वश्रेष्ठ फिल्म अवार्ड से सम्मानित किया गया। जुरी ने कहा कि शुभम की फिल्म प्रेरणादायी एवं सम्बेदनात्मक है और इस फिल्म का डायरेक्शन अद्भुत है।

यह फिल्म शिक्षा और इसके उद्देश्य को समझने की आवश्यकता पर केंद्रित है। फिल्म फेस्टिवल स्टूडेंट्स एंड एजुकेशन की थीम पर बेस्ड था। इंटरनेशनल ओलम्पिक कमिटी, फ्रेंच नेशनल ओलम्पिक एंड स्पोर्ट्स कमिटी एवं द इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ स्पोर्ट्स सिनेमा द्वारा फ्रान्स के आल्प्स-मेरीटाइम्स में आयोजित



शुभम मानव मिश्र

स्पोर्ट्स फिल्म फेस्टिवल-2023 में भी शुभम की फिल्म, "मैसी : दि गॉड ऑफ फुटबॉल", जो कि फुटबॉल के महानतम खिलाड़ी लिओनेल मैसी के जीवन पर आधारित है, को विश्व की

दस श्रेष्ठ स्पोर्ट्स फिल्म में शामिल किया गया है। इस फिल्म को शुभम ने मैसी की मातृभाषा स्पैनिश में बनाया है। जुरी ने फिल्म को सराहते हुए कहा है कि ये फिल्म जीवन में खेलों के महत्व को समझाती है और समाज में खेलों से जुड़े मूल्यों एवं उनकी संस्कृति के प्रसार में अमूल्य योगदान है। ओलम्पिक कमिटी द्वारा शुभम को पेरिस समर ओलम्पिक 2024 के लिए आधिकारिक रूप से आमंत्रित किया गया है।

शुभम को "सर्टिफिकेट ऑफ ऑफिसियल सलूक्शन" का अवॉर्ड भी दिया गया है एवं उनकी फिल्म ओलम्पिक खेलों के दौरान दिखाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि शुभम पहले भारतीय अभिनेता एवं फिल्ममेकर हैं,

जिन्हें ओलम्पिक कमिटी द्वारा उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए अवॉर्ड देकर सम्मानित किया है।

इसके अतिरिक्त पूर्व में शुभम को कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय अवार्ड्स मिल चुके हैं। इसी साल जनवरी में उन्हें लकज़म्वर्ग से "सर्टिफिकेट ऑफ ऑटिस्ट मैरिट" उनके कला क्षेत्र में अद्भुत योगदान के लिए भी भाषाओं में दिया गया है। उनकी फिल्म 'ए डे एट माई फेवरेट प्लेस' को स्वीडन के अलावा पुणे फिल्म फेस्टिवल में भी वेस्ट फिल्म से पुरस्कृत किया गया है। शुभम की फिल्म कांस वर्ल्ड फिल्म फेस्टिवल में सेमी फाइनलिस्ट भी रही। केरल फिल्म फेस्टिवल में भी उनकी फिल्म नेचर केन बी क्रूल को पिछले महीने प्रदर्शित किया गया है।

नीमकाथाना से कोटपूतली के लिए रोडवेज बस नहीं होने से यात्री परेशान

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना से कोटपूतली जाने के लिए सांय 4:30 बाद से कोई लोकल रोडवेज बस सेवा नहीं होने से बड़िया मोड़, भराला, रायपुर मोड़, गुसाई का मठ, डोकण, न्योरणा मोड़, मेहरो की ढाणी, पाटन, राजपुर, पातुवाला, बल्लुपुर, नहर स्टैंड, छाजा की नांगल, हामपुर आदि गांव के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

डेली अप-डाउन करने वाले लोगों ने बताया कि नीमकाथाना बस स्टैंड पर सैकड़ों लोग बस की इंतजार में खड़े रहते हैं, परंतु लोकल रोडवेज बस नहीं होने से मजदूर लोगों को अपनी जान जोखिम में डालकर प्राइवेट वाहनों में ऊपर नीचे बैठ कर आना

■ शाम को बस नहीं होने से मजदूर लोगों को जान जोखिम में डालकर प्राइवेट वाहनों में ऊपर नीचे बैठकर आना पड़ता है

■ समस्या को लेकर लोगों ने नीमकाथाना विधायक सुरेश मोदी को ज्ञापन दिया

कि नीमकाथाना से कोटपूतली के लिए साढ़े चार बजे से 7 बजे के बीच में लोकल रोडवेज बस शुरू करवा दी जाती है तो लोगों को किसी प्रकार की समस्या नहीं होगी तथा मजदूरों करने वाले लोग समय पर अपने घर पर पहुंच सकते हैं। तब यह सेवा सुचारू रूप से शुरू थी परंतु अब इस सेवा को बंद कर दिया गया है।

जिसके चलते यात्रियों को साधन के अभाव में काफी समय के लिए खड़ा रहना पड़ता है। ज्ञापन देने वालों में ओम प्रकाश सैनी, मुरारी सैनी, मुकेश यादव, प्रकाश, अंकुश, मनोज सैनी, सुभाष जॉर्जिड, राजेंद्र, मोहम्मद नफीस, सुरेंद्र, सुभाष सिंह, चिराग आदि शामिल रहे।

ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

पाटन, (निसं)। स्टेट हाईवे 37 सी पाटन-डाबला-गांवली हाईवे सड़क पर दिन दिनों चेजा पत्थर, क्रेशर गिट्टी, सिलिका सैंड से भरे हुए ओवरलोड वाहन चल रहे हैं जिससे आए दिन दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है। इन ओवरलोड वाहनों से सड़कों पर रोड़ी, पत्थर गिरते रहते हैं जिससे आमजन भय के साए में जीने को मजबूर है।

दूसरी ओर ओवरलोड वाहन बहुत तेज गति से चलते हैं तथा आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं जिसको लेकर ग्रामीणों ने नायब तहसीलदार को ज्ञापन देकर ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। हेम सिंह किशोरपुरा ने बताया कि कभी-कभी तो ओवरलोड वाहन

■ इन ओवरलोड वाहनों से सड़कों पर रोड़ी, पत्थर गिरते रहते हैं जिससे आमजन भय के साए में जीने को मजबूर है।

मकानों में एवं खेतों में घुस जाते हैं जिस कारण बड़ी दुर्घटनाएं होने से बच जाती है। समय रहते अगर इन वाहनों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो इस रोड पर गंभीर घटनाएं घट सकती हैं। ज्ञापन देने वालों में धर्मेंद्र सिंह, अंकित, विक्रम, रवि, भारत आदि शामिल रहे।

पुलिस ने "धर्म स्तूप" को "धर्मसपुत" और "चूरु" को "चुरु" लिखवाया!

लोगों ने कहा कि चूरु की पुलिस को छोटी-छोटी बातों की ओर भी ध्यान देना चाहिए

चूरु, (कासं)। चूरु रेलवे स्टेशन के सामने मुख्य सड़क पर स्थित धर्म स्तूप पुलिस चौकी के दरवाजे के ऊपर लगा बोर्ड अशुद्धियों से भरा हुआ है। यहां खुद पुलिस अधीक्षक को अवगत करवा देने के बाद भी कोई ध्यान नहीं दिया गया है। इससे राजस्थान पुलिस हास्य का पात्र बनी हुई है। मिली

■ खुद पुलिस अधीक्षक को अवगत करवा देने के बाद भी कोई ध्यान नहीं दिया गया

■ गलत शब्द लिखे होने से लोगों के लिए पुलिस हास्य का पात्र बनी हुई है



चूरु रेलवे स्टेशन के सामने मुख्य सड़क पर स्थित धर्म स्तूप पुलिस चौकी के दरवाजे के ऊपर लगा बोर्ड अशुद्धियों से भरा हुआ है। दिया था, लेकिन बोर्ड को सही नहीं करवाया गया है। उन्होंने कहा कि आज एक बार फिर उच्च अधिकारियों को बता देंगे। कुलमिलाकर गलत शब्द लिखे होने से लोगों के लिए पुलिस हास्य का पात्र बनी हुई है। लोगों ने कहा कि भूमफिया, सटोरियों आदि के खिलाफ तो चूरु की पुलिस कोई कदम नहीं उठाती है, ऐसी छोटी-छोटी बातों की ओर तो ध्यान देना चाहिए यहां पुलिस ने 'धर्म स्तूप' का नाम बदलकर 'धर्मसपुत' कर दिया है, जिसका कोई अर्थ नहीं है।

राशिफल गुरुवार 3 अगस्त, 2023

द्वि. सावन मास (अधिक), कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, गुरुवार, विक्रम संवत् 2080, धनिष्ठा नक्षत्र प्रातः 9:56 तक, सौभाग्य योग दिन 10:17 तक, तैतिल करण प्रातः 6:11 तक, चन्द्रमा कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-सिंह, बुध-सिंह, गुरु-मेष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में। आज भद्रा रात्रि 2:31 से शुक्रवार दिन 12:45 तक है। आज पंचक है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:35 तक, चर 10:54 से 12:33 तक, लाभ-अमृत 12:33 से 3:52 तक, शुभ 5:31 से सूर्यास्त तक। राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:56, सूर्यास्त 7:10

मेष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित खेत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बचने लगे।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवार में सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

वृष
व्यावसायिक कार्यों को प्रार्थनात्मकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बचने लगे। चलते कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कन्या
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। मन का भय समाप्त होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटक हुए कार्य बचने लगे। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
नौकरिपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

कुंभ
व्यावसायिक चर्चा के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित सम्पर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यक्तिगत परेशानियों के कारण भागवौड़ रहेगी। मानसिक तनाव बना रहेगा। नौकरिपेशा व्यक्तियों को उच्चधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति सरलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी। नवीन योजना का क्रियान्वयन होगा।

मीन
अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। मन में असंतोष बना रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागवौड़ रहेगी।